SSC GD 2025
STAFF SELECTION COMMISSION
कर्मचारी चयन आयोग
ROJGAR
ANKIT
अवसर बैच
HISTORY
विजयनगर साम्राज्य
LIVE
08-07-2024 09:00 AM

विजय नगर साम्राज्य (1336–1650)

- संस्थापक – हरिहर राय + बुक्का राय (काकतीय वंश के सामंत थे)
  Founder
  Harihara Raya + Bukka Raya (were feudatories of the Kakatiya dynasty)
  1336

- राजधानी – हम्पी (हस्तिनावती, विधानगर) – तुंगभद्रा नदी के किनारे
  (कर्नाटक)
  on the banks of the Tungabhadra river

- विजय नगर साम्राज्य में 4. वंश हुए–

1. संगम वंश (1336–1485) – सर्वाधिक समय तक → हरिहर I (संस्थापक)
   Sangam Dynasty (1336-1485) - longest
2. सालुव वंश (1485–1505) – सबसे कम समय तक - नरसिंह
   Saluva dynasty (1485-1505) - shortest
3. तुलुव वंश (1505–1570) Tuluva dynasty (1505–1570) → वीर नरसिंह
4. अरविडु वंश (1570–1650) Aravidu dynasty (1570–1650) → तिरुमल

संगम वंश (1336–1485) – पिता : 'संगम'

- संस्थापक : हरिहर प्रथम (1336–56) – उपाधि : वेद प्रतिष्ठापक

Founder: Harihara I (1336-56) – Title : Ved Pratishthapak

- राजधानी : अनेगुण्डी

Capital : Anegundi

भाई

बुक्का प्रथम – (1356–77)

- मदुरै को जीता। Won-Madurai.
- बहमनी राज्य से संघर्ष शुरू।

Struggle started with Bahmani kingdom.

- 1368 में मुहम्मदशाह (बहमनी) को हराया।

Defeated Muhammadshah (Bahmani) in 1368.

हरिहर II (1377–1404) Harihara II (1377–1404)

- मुहम्मद शाह II को हराया defeated Muhammad Shah II

देवराय प्रथम – (1406–1422) फिरोजशाह बहमनी से हारा – सोनार की बेटी का युद्ध'

Devaraya I - Defeated by Firoz Shah Bahmani! Sonar's daughter's war

Imp इटली से निकोलस कोंटी भारत आया। → देवराय प्रथम के दरबार

Nicolas Conti came to India from Italy.

- श्रीनाथ विद्वान रहता था। Shrinath used to be a scholar.
  - Book – हरविलास (रचना) Harvilas (composition)

देवराय II (1424–1446)

Devaraya II (1424-1446) - Composition: Mahanataka Sudhanidhi

- गजबेटकर की उपाधि title of gajbetkar
- सबसे महान शासक greatest ruler
- सबसे ज्यादा मुस्लिम सैनिक Most Muslim soldiers'
- अब्दुर्रज्जाक (ईरान) से आया। Came from Abdurrazzak (Iran).

- अंतिम शासक – 'प्रोढराय' The last ruler - 'Prodharai'

संगम वंश का

सालुव वंश 1485–1505

संस्थापक – "नरसिंह" (प्रथम बलापहार)

Founder - "Narsingh" (First Balapahar)

तुलुव वंश (1505–1570)

संस्थापक : वीर नरसिंह (1505–09)

Founder: Veer Narsingh (1505–09)

(द्वितीय बलापहार) (second Balapahar)

कृष्णदेवराय -II (1509 - 29) Krishnadevaraya (1509 – 29)

- विजयनगर साम्राज्य के महानतम शासक
  Greatest ruler of Vijayanagara Empire
- उपाधि - अभिनव भोज / आंध्र पितामह / आंध्र भोज
  Title - Abhinav Bhoj / Andhra Pitamah / Andhra Bhoj
- इनके समय को तेलुगू साहित्य का स्वर्ण काल कहा जाता है
  His time is called the golden age of Telugu literature

- इन्होनें तेलुगु के प्रसिद्ध ग्रन्थ अमुक्त माल्यद (विस्वुवितीय) की रचना की
  He composed the famous Telugu book Amukt Malyad (Visvuvitiya).
- बाबर ने अपनी पुस्तक तुजुक-ए-बाबरी में दक्षिण का सबसे महान शासक कृष्णदेवराय को बताया Babur in his book Tuzuk-e-Babri described Krishnadevaraya the greatest ruler of the south.

- 2 पुर्तगाली यात्री विजय नगर आये
  - 1. बरबोसा Barbosa
  - 2. डोमिंगो पायस Domingo Paes

2 Portuguese travelers came to vijay nagar.

- अष्ट दिग्गज, इनके दरबार में रहते थे Eight Giants, lived in his court
  - (8 विद्वान) → तेनालीराम (8 scholars) → Tenalirai
    - Book → पांडूरंग महात्म्य Pandurang Mahatmya

सदाशिव राय (1542-70) Sadashiv Rai (1542–70)

- लेकिन वास्तविक शक्ति "रामाराय" (70 वर्ष)के हाथो में थी

But the real power was in the hands of "Ramaray" (70 years old)

- विजय नगर के पतन का कारण The reason for the fall of Vijay Nagar

तालीकोटा का युद्ध - 23 Jan 1565

Imp

दक्कन

युद्ध

- रामाराय Vs अली आदिलशाह (जीता)

Ramarai Vs Ali Adilshah (Won)

- राक्षसी तांगड़ी का युद्ध Battle of Rakshasi Tangdi

अरविडु वंश (1570-1650)Aravidu dynasty (1570–1650)

- सबसे कमजोर वंश Weakest Lineage
- संस्थापक- तिरुमल Founder Tirumal
- राजधानी - पेनुगोण्डा Capital – Penugonda

वेंकट II Venkat II

- चंद्रगिरी (अंतिम राजधानी) Chandragiri (the last capital)
- अंतिम शासक - रंग तृतीय Last Ruler Rang III

बंगाल के नवाब

1. मुर्शिद कुली खां

(1700-1727)

- 1700 में बंगाल का दीवान (औरंगजेब) ने बना
  Diwan of Bengal (Aurangzeb) in 1700
- 1707 में औरंगजेब की मृत्यु के बाद
  After Aurangzeb's death in 1707
  - का पोता grandson of
  - अजीमुश्शान Vs मुर्शीद कुली खां के बीच हुआ
    Between Azimushshan Vs Murshid Quli Khan
- इसके बाद मुर्शीद ने राजधानी ढाका से मकसूदा बाद (मुर्शीदाबाद) बना ली
  After this Murshid made Maqsuda Bad (Murshidabad) from the capital Dhaka.

1717 में फर्रूखशियर ने बंगाल का सूबेदार बना दिया।

In 1717, Farrukhshiar made him the governor of Bengal.

1719 में उड़ीसा को बंगाल में मिला लिया

Orissa was merged with Bengal in 1719.

इजारेदारी प्रथा का जनक father of monopoly

2. शुजाउद्दौला मोहम्मद खान (1727 – 39)

1732 में बिहार को बंगाल में मिलाया

Bihar was merged with Bengal in 1732.

का सूबेदार बनाया : अली वर्दी खां Made Subedar of: Ali Vardi Khan

3. सरफराज खान (1739 – 40)

→ 1740 गिरिया का युद्ध 1740 Battle of Giriya

हैदर जंग Haider Jung

अली वर्दी खां Vs सरफराज खान

Ali Vardi Khan Vs Sarfaraz Khan

+

जगत सेठ, हाजी अहमद

Jagat Seth, Haji Ahmed

4. अली वर्दी खान (1740-56)

मुगलों को नजराना, TAX देना बंद

रंगीला को 20 cr रु० देकर आधिकारिक घोषणा करवाई की मै वास्तविक नवाब हूँ

By giving Rs 20 cr to Rangila, he made an official announcement that I am the real Nawab.

अलीवर्दी खान का इतिहास

- इसके समय मराठो का आक्रमण हुआ At this time there was an invasion of Marathas.
- उड़ीसा मराठो को दे दिया → संधि की Orissa was given to Marathas-
  - 12 लाख रु० वार्षिक चौथ Rs 12 lakh annual chauth
  - रघुजी भोसले के साथ with Raghuji Bhosle

- इसका कोई पुत्र नहीं था तो अपनी छोटी बेटी के पुत्र सिराजुद्दौला को बंगाल का नवाब घोषित किया He had no sons, so Sirajuddaulah, the son of his younger daughter, was declared the Nawab of Bengal.
- अलीवर्दी का कथन यूरोपीय मधुमक्खी है" Alivardi's statement is the European bee.

5. सिराजुद्दौला (1756 – 57)

का विरोध किया : घसीटो बेगम + मीर जाफर + राय दुर्लभ

Opposed by: Ghasito Begum + Mir Jafar + Rai Durlabh

जगत सेठ, अमीचंद + शौकतगंज

Jagat Seth, Amichand + Shaukatganj

- 1756 मनिहारी War में शौकतगंज को मारा

  1756 Shaukatganj was killed in Manihari War

- 1756 – 63 : सप्तवर्षीय युद्ध

  1756 - 63: Seven Years War

- फ्रांसीसियो + अंग्रेजो को किले बंदी, बंद करने के आदेश दिए

  Franciso+ordered the British to close the fort

- 20 जून ब्लैक होल/ काल कोठरी की घटना हुयी

  20th June Black Hole / Kaal Kothri incident took place

  ↳ 146/23 जिन्दा alive 146/23

प्लासी का युद्ध – 23 Jan 1757

सिराजुद्दौला Vs क्लाइव Sirajuddaula Vs Clive

अंग्रेजी शासन की शुरुआत

Beginning of British rule

मीर जाफर Mir Jaffer (qnist)

मीर मदान Mir Madan

(जीत) (WIN)

6. मीर जाफर (1757-1760)

अयोग्य Unfit

7. मीर कासिम (1760-63) - मीर जाफर का दामाद Son-in-law of Mir Jafar

1760 – मुंगेर की संधि 1760 - Treaty of Munger

राजधानी मुर्शिदाबाद से मुंगेर स्थापित की

Established Munger from capital Murshidabad

- मीर जाफर (1763-65) (Mir Jafar (1763-65)

बक्सर का युद्ध – 22 Oct

हेक्टर मुनरो Vs मीर कासिम (बंगाल)

Hector Munro Vs Mir Kasim (Bengal)

(जीत) शुजाउद्दौला (अवध)

(Won) Shujauddaulah (Awadh)

शाह आलम II (मुग़ल सम्राट)

Shah Alam II (Mughal Emperor)

- इलहाबाद की संधिया Treaty of Allahabad
- नज्मउद्दौला (1765-66) Najm-ud-daulah (1765-66)

इलाहबाद की I संधि

I Treaty of Allahabad

12 Aug 1765

इला० की II संधि

II Treaty of Allahabad

16 Aug 1765

→ Sign. क्लाइव, शुजाउद्दौला

→ इलाहबाद का किला शाहआलम को दिया

→ 50 लाख रु० खर्चा

- क्लाइव, शाहालम II, नज्मद्दौला

Clive, Shahalam II, Najmaddaulah

- बंगाल, बिहार, उड़ीसा की दीवानी अंग्रेजो को मिली

Diwali of Bengal, Bihar, Odisha was given to the British

↓

(बक्सर का युद्ध)

- शाह - आलम II, 26 लाख रु० वार्षिक हर्जाना देना होगा

  Shah-Alam II, Rs 26 lakh annual compensation to be paid

- नज्मउद्दौला को 53 लाख अंग्रेजों ने दिए

  English gave 53 lakhs to Najmuddaulah

  ↳ जिलामत के लिए for district

  (कानून व न्याय व्यवस्था) (law and justice system)

- बंगाल में द्वैध शासन (1765- 1772 तक) Diarchy in Bengal (1765 – 1772)

8. सैफुद्दौला (1766 – 75)

9. मुबारक उद्दौला (1775)

चालुक्य वंश

1. वातापी (बादामी) के चालुक्य मुख्यशाखा

Chalukyas of Vatapi (Badami) → main branch

↳ पश्चिमी शाखा west branch

2. वेंगी के चालुक्य → पूर्वी चालुक्य Chalukyas of Vengi → Eastern Chalukyas

3. कल्याणी के चालुक्य → पश्चिमी शाखा Chalukyas of Kalyani → Western Branch

1. बादामी (वातापी) के चालुक्य बीजापुर (कर्नाटक) Bijapur (Karnataka)

↳ के बारे में जानकारी - महाकूट अभिलेख से मिलती है

Information about - comes from Mahakoot record

- मुख्य शाखा main branch
- शासन काल - [543 - 757 ई०] Reign [543– 757AD]
- संस्थापक पुलकेशिन प्रथम (543 – 566 AD)

  Founder - Pulakeshin I (543 -566 AD)
- पुलकेशिन I के पूर्वज जयसिंह राणा राग कदम्ब शासको के अधीन थे

Pulakeshin I's ancestor Jaisingh Rana was subordinate to the Raga Kadamba rulers.

- पुलकेशिन I ने स्वयं को स्वत्रंत कर चालुक्य वंश की स्थापना की

Pulakesin I made himself independent and founded the Chalukya dynasty

  - पुलकेशिन I की उपाधियाँ Titles of Pulakeshin I
    - श्री पृथ्वी वल्लभ Mr. Prithvi Vallabh
    - रण विक्रम Ran Vikram

कदम्ब शासक - कर्ना०

↓

राज० - वनवासी/ बैजयंती

संस्थापक- मयूर शर्मा

↓

18 अश्वमेघ यज्ञ कराए

↓ पुत्र

कीर्तीवर्मन I Kirtivarman I (566-597 AD)

मंगलेश Manglesh (597-610 AD)

- कीर्तीवर्मन I ने अपने क्षेत्र के विस्तार करते हुए मोर्यो को हराया

Kirtivarman I defeated the Moryos expanding his territory.

- उपाधि - सत्याश्रय, रण पराक्रम

Title - Satyashraya, Battle Might

1 अश्वमेघ यज्ञ, वाजपेयी यज्ञ

1 Ashwamedha Yagya, Vajpayee Yagya

राजधानी बादामी

Capital → Badami

राजभाषा → कन्नड़ संस्कृत

Official Language Kannada

Sanskrit

- पुलकेशिन II (610 – 642 AD)

Pulakeshin II (610 – 642 AD

  - (चाचा) मंगलेश ही हत्याकर स्वयं गद्दी पर बैठा

(Uncle) Manglesh himself sat on the throne after killing

- उपाधि परम भट्टारक, महाराजाधिराज

Title - Param Bhattarak, Maharajadhiraj

- राजकवि - रविकिर्ती ने Rajkavi Ravi Kirti

एहोल (एहोड़) अभिलेख जारी कराया (634 ई०)

Alihole (Ehod) record issued → (634. AD)

- (संस्कृत भाषा) (Sanskrit language)
- पुलकेशिन के विजय अभियान Pulakeshin's conquests
- हर्षवर्धन की पराजय के बारे में जानकारी मिलती है

  Information is received about the defeat of Harshavardhana.

- पुलकेशिन II) ने दो राजधानी बनायी Pulakeshin II built two capitals

  1. वातापी Vatapi
  2. वेंगी Vengi
     - अपने भाई विष्णुवर्धन को सौंप दी handed over to his brotherVishnuvardhan

- कांची पर आक्रमण - (उस समय कांची के शासक) Attack on Kanchi – (Ruler of Kanchi at that time)

(असफल) (failed)

महेंद्रवर्मन (पल्लव वंश) Mahendravarman (Pallava dynasty)

- महेन्द्र वर्मन के उत्तराधिकारी → नरसिंह देव वर्मन ने पुलकेशिन II को बहुत बुरी तरह हराया

Successor of Mahendra Varman→ Narasimha Deva Varman defeated Pulakesin II very badly

विनयादित्य Vinayaditya

- विजयादित्य → इसके कांची को अधीन कर लिया : परमेश्ववर्मन II को हराया था

  Vijayaditya subjugated its Kanchi: Parameshvavarman II was defeated

- कीर्तिवर्मन II → को हराकर दंतीदुर्ग ने राष्ट्रकूट वंश की स्थापना की

  Dantidurga founded the Rashtrakuta dynasty by defeating Kirtivarman II.

पल्लव वंश

- तमिलनाडु Tamil Nadu
- संस्थापक → सिंह विष्णु

Founder→ Singh Vishnu

राजधानी : कांची (तमिलनाडु)

Capital : Kanchi (Tamil Nadu)

सिंह विष्णु Singh Vishnu

- आदिवराह का गुफा मंदिर बनवाया Built the cave temple of Adivaraha
- दरबारी कवि : भारवि (पुस्तक) Court Poet : Bharavi (Book)
  - (किरातजुर्नीय) (Kiratjurneya)

- महेंद्र वर्मन (I) → पल्लव & चालुक्य के मध्य संघर्ष शुरू हुआ

Mahendra Varman (1)→ Conflict between Pallavas & Chalukyas started

- नरसिंह देव वर्मन (मामल्ल) Narasimha Deva Varman (Mamall)
  - महाबलीपुरम के रथ मंदिर का निर्माण कराया)

    Built the Chariot Temple of Mahabalipuram)

↓ (T.N)

नरसिंह देव वर्मन Narasimha Dev Varman

- कांची के कैलाश मंदिर का निर्माण कराया

  Built Kailash Temple of Kanchi
- दंडी विद्वान : पुस्तक - दशकुमारचरितम्

  Dandi Scholar: Book - Dashakumar Charitam

वेंगी के चालुक्य - आन्ध्र प्रदेश Chalukyas of Vengi – Andhra Pradesh

↳ पूर्वी चालुक्य Eastern Chalukyas

- संस्थापक → 'विष्णुवर्धन Founder → Vishnuvardhan

➢ कल्याणी के चालुक्य → केरल Chalukyas of Kalyani → Kerala

- संस्थापक – तैलप II - (कर्क II को हराकर) -

Founder - Tailap II - (defeating Karka II)

(993-997)

↳ प्रारम्भ में राजधानी (मान्यखेत)

Initially the capital - Manyakhet

↳ उपाधि - अश्वमाल Title Horsemall

↓

"सत्याश्रय" (997 – 1000) – "महमूद गजनवी आया"

"Satyashraya" (997-1000)-"Mahmud came to Ghaznavi"

सोमेश्वर प्रथम ⟶ ने राजधानी बदलकर "कल्याणी" बनाई

Someshwar I changed the capital to "Kalyani"

↓

विक्रमादित्य II Vikramaditya II

↳ विरूपाक्ष (पंथा) मंदिर का निर्माण कराया

Built the Virupaksha (Pantha) temple

↳ (कर्ना०) - भगवान शिव से सम्बंधित है

(Karnataka) - is related to Lord Shiva

संगम साहित्य : (100 AD – 300 AD के मध्य)

- मूल विषय - बीरता एवं प्रेम Basic theme - Bravery and love
- प्रमुख ग्रन्थ - तिरुवल्लूर का तिरुकुरल-ग्रन्थ

Major text/Thirukural of Tiruvallur

↓

लेखक Author

- संगम का बाइबिल
- संगम की गीता
- संगमकाल का उपवेद
- संगम का पंचवेद

जैन धर्म से सम्बंधित ← शिल्पादिकारम लेखक

Related to Jainism Shilpadikaram Author

→ ग्रन्थ इलोगोदिगल

Granth Ilogodigal

→ पात्र - (कोवलन व्यापारी) Characters Kovalan

Merchant

दक्षिण भारत की पार्वती ← (कन्नगी) पत्नी

The Parvati of South India Kannagi

माधवी Madhavi पत्नी

मणिमेखल के लेखक → सतनार Author of Manimaikhal → Satnar

बौद्ध धर्म से From Buddhism

ग्रन्थ

माधवी से सम्बंधित Related to Madhavi

- संगम साहित्य में 8898 कवियों ने भाग लिया जिसे पांड्य शासको ने आश्रय दिया
  8898 poets participated in the Sangal literature, which was given shelter by the Pandya rulers.

  (कुल राज्य 197) (Total States -197)

- संगम साहित्य में तीन वंशो के बारे में जानकारी मिलती है - चोल, चेर और पांड्य
  Information about three dynasties is found in the Sangam literature Cholas, Cheras and Pandyas.

- तीन संगम परिषद आयोजित हुयी - Three Sangam Parishads were organized

1. मदुरै - अगस्त ऋषि (अध्यक्ष) - इसका कोई प्रमाण नहीं है

   Madurai – Agastya Rishi (Chairman) - no proof

2. कपाटपुरम् - अगस्त ऋषि (अध्यक्ष) - प्रमुख ग्रन्थ

   Kapatapuram - Agastya Rishi (Chairman) Major texts

3. उत्तरी मदुरै - नक्कीर (अध्यक्ष)

   North Madurai - Nakkir (Speaker)

तोलकाप्वियम ⟶ द० भारत का पहला व्याकरण ग्रन्थ

↳ 8 प्रकार के विवाह

चोल राजवंश

- संस्थापक – विजयालय (848 – 871 AD)

  Founder - Vijalaya (848 - 871 AD)

- (राजचिह्न - बाघ Emblem – Tiger

- राजधानी - मलनूर / उरैयूर/ पुहार राजधानी

  Capital - Malanur / Uraiyur / Puhar capital

↓

तंजौर (तंजावुर)

Tanjore(Thanjavur)

विजयालय

उपाधि - नरकेसरी Title – Narkesari -

- 'चोलेश्वर मंदिर का निर्माण कराया Choleshwar temple built
- पल्लवों का सामंत था Was a feudatory of the Pallavas

कराईकल

सबसे प्रतापी राजा most majestic king

- उत्तर भारत पर आक्रमण करके मगध & अवंती को जीता

Invaded North India and won Magadha & Avanti

- वेणी का युद्ध → उ० भारत के राजाओं के संघ को हराया

  Battle of Veni → Defeated the confederacy of kings of North India
- पुहार बंदरगाह का निर्माण किया Puhar port built
- आदित्य प्रथम (कोदण्डराम) - पल्लव शासक अपराजित वर्मन को हराया

  Aditya I (Kodandarama) - defeated Pallava ruler Aparajita Varman
- परान्तक प्रथम - पांड्य शासको को हराया था Pandya rulers were defeated
  - तंजौर का चिदम्बरम मंदिर बनवाया Chidambaram temple of Tanjore built

  राष्ट्रकूट शासको "कृष्ण I ने गंगो के साथ मिलकर परांतक I को हरा दिया और उत्तरी क्षेत्र छीना

  Rashtrakuta rulers "Krishna I along with Ganga defeated Parantaka I and captured the northern territory.

राजाराम प्रथम

- प्रतापी शासक majestic ruler
  - 'वृहदेश्वर मंदिर का निर्माण Construction of Brihadeeswarar Temple
  - नटराज की मूर्ति बनवायी Made idol of Nataraja
  - उपाधि - शिवप्रसाद शेखर Title - Shivprasad Shekhar
  - दक्षिण भारत में भूमि मापने का पहला प्रयास किया

    The first attempt to measure land in South India

राजेंद्र प्रथम

- दक्षिण भारत का सिकन्दर (नीलकंठ शास्त्री ने कहा)

  The Alexander of South India (said by Neelkanth Shastri)

- दक्षिण भारत का नेपोलियन (V. सिम्थ ने कहा)

  The Napoleon of India (said by V.Smith)

- पाल वंश के शासक महिपाल को हराया

  Defeated Mahiyal, the ruler of Pala dynasty

अंतिम चोल शासक → अधि० राजेंद्र

Last Chola Ruler → Adhi Rajendra

(राजेंद्र III) (Rajendra III)

राजचिह्न ← चेर वंश – केरल व तमिलनाडु का हिस्सा part of Kerala and Tamil Nadu

का पुराना नाम - चेर

धनुष Bow

संस्थापक - उदयिनजेरल Founder - Udayinjeral

राजधानी : वंजीपुर (वांजि) / करियर / तोंडी

Capital: Vanjipur (Vanji)/Kariyur / Taundi

- उदयिन जेरल → उपनाम: प्रियदस्सी Udayin Jeral Nickname: Priyadassi

प्रिंसेस ने प्रियदस्सी का नाम (संबंध) श्रीलंका शासक तिस्य से जोड़ा

The princess linked Priyadassi's name (relationship) to Tisya, the Sri Lankan ruler.

- टर्नर ने कहा- प्रियदस्सी अशोक ही है

Turner said - Priyadassi is Ashoka only

- शेखगुटुवन - (लालचेर, भल्लाचेर उपाधि)

  Sheikhgutuvan (Lalcher, Bhallacher title)

  - सती (कन्नगी) पूजा शुरू करवायी Sati (Kannagi) worship started
    - गजबाहु शासक (श्रीलंका) Gajabahu Ruler (Sri Lanka)

- पेरून जेरल → 'गन्ने की खेती शुरू की
  - Perunjeral →Started sugarcane cultivation
- अंतिम शासक → मांदर जेल इम्पोरोई
  - Last Ruler Mandar Jail Imporo

पांड्य वंश

प्रतीक चिह्न - मछली Symbol – Fish

संस्थापक – नेडियोन Founder Nadeon

↳ समुद्रपूजा शुरू करवारी

starting sea worship

राजधानी – कोरकई / मदुरै (लम्बे समय तक)

Capital – Korkai / Madurai (long term)

मेगस्थनीज के पांड्य वंश की जानकारी मिलती है

Information about the Pandya dynasty of Megasthenes is found

↳ इंडिका में in indica

- नेजुडेलियन Nejudelian
  - कोवलन को दंड दिया punished Kovalan Promise
    - चेर और चोलो को संयुक्त रूप से हराया Defeated Cher and Cholo jointly
      - तातैयांगलम का युद्ध Battle of Tattayangalam

- अंतिम शासक → मारवर्मन कुलशेखर

Last ruler →Maravarman Kulasekhara